KERALA SCHOOL KALOLSAVAM 2017 PROGRAMME COMMITTEE

एक चिड़िया की यादें.....

कोई चिंता में है, वह
सड़क के पास, एक चिड़िया, एक माँ।
सफ़ेद बाल, आँखों पीला रंग, सूखे पत्ते का रंग।
चेहरे में काला बादल घूमते हैं।
वह बादल भी सूखा है, उसका बारिश के बूँदें भी पीला है।
उस बूँदें उसके आँखों से गिरने लगी।
यह बूँदें आँसू नहीं, यह ज़रूर पीले रंग के बूँदें हैं।
सड़क में लोग और गाड़ी बढ़ने लगा।
उस माँ के सामने पैसा गिरने लगा।
गरम और धूप बढ़ने लगा।
अचानक एक गरम हवा उस चिड़िया के दिल को लेकर
दूर एक घोंसले में गया।
उस घोंसले में दो चिड़िया, एक माँ और एक बच्चा।
माँ के पँखों में बच्चा सोता है।
उस माँ के आँखों में प्यार, प्यार के लहरें हैं।
लेकिन,
अब वह चिड़िया घोंसले में अकेला है।
उसके बच्चा उसको छोड़कर दूर एक घोंसले में गया।
सड़क में गाड़ी और यात्रियों बढ़ने लगी
उस माँ (चिड़िया) के आँखों किसी को इंतज़ार करते हैं।
वह उसके बच्चे के एक प्यार से भरी नज़र चाहते हैं।
बस एक नज़र .....

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM 2017
PROGRAMME COMMITTEE

सड़क से कई थानियों के आँखों उस चिड़िया (माँ) को देखा।
लेकिन,
एक आँखों को देखकर माँ के आँखों से,
ठंडी बूँदें गिरने लगी, सूखे नहीं।
उस आँखों कौन का था, वह उसकी बच्चा का था।
वह मुलाकात आखिरि था।
उस सड़क में एक बूढ़े चिड़िया का लाश !

सालों चला.....
अब उस सड़क में उस जगह में एक नया लाश,
उस लाश के पास एक माँ चिड़िया भी है।
वह माँ चिड़िया उसके बच्चा के लाश को
पंखों में छिपाकर, दूर-दूर एक घोंसले में
एक नये ज़िंदगी जीने के लिए गया,

वहाँ एक नये उम्मीद के फूल खिला।.....एक नये उम्मीद की रोशनी।...
लेकिन कौन जाने उस माँ चिड़िया को छोड़कर
वह बच्चा एक बार भी जायें?.....